1

कुंदन

हिंदी व्याकरण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

WOODS
BOOK PUBLISHING

कुंदन हिंदी व्याकरण–1

1. भाषा और व्याकरण

(क) 1. दो 2. हिंदी 3. लिखना **(ख)** 1. हिंदी 2. दो 3. वाक्यों 4. शब्दों **(ग)** 1. 7 2. 7 3. 3 4. 7 **(घ)** 1. सार्थक शब्दों का वह समूह, जिसके द्‌वारा विचार प्रकट किए जा सकें, भाषा कहलाता है। 2. भाषा के दो रूप हैं–(1) मौखिक भाषा (2) लिखित भाषा 3. अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी, हिंदी, तमिल। 4. भाषा को शुद्‌ध बोलने तथा लिखने के नियमों को व्याकरण कहते हैं। **करने की बारी–**1. लिखित 2. मौखिक 3. लिखित 4. मौखिक

2. वर्ण और मात्राएँ

(क) 1. दो 2. ग्यारह 3. तैंतीस **(ख)** 1. शब्दों 2. ध्वनियाँ 3. वर्णमाला 4. अ **(ग)** 1. **बरगद–**ब् + अ + र् + अ + ग् + अ + द् + अ 2. **कलम–**क् + अ + ल् + अ + म् + अ 3. **गिलास–**ग् + इ + ल् + आ + स् + अ 4. **सेब–**स् + ए + ब् + अ **(घ)** 1. नाव 2. कमल 3. हिरन 4. ताला 5. कैलाश **(ङ)** 1. वह सबसे छोटी ध्वनि, जिसके और टुकड़े न किए जा सकें, वर्ण कहलाती है। 2. वर्ण दो प्रकार के होते हैं–(1) स्वर (2) व्यंजन 3. जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी रुकावट और बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं। 4. स्वरों की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते हैं। 5. संयुक्त व्यंजन–क्ष, त्र, ज्ञ और श्र हैं। **करने की बारी–(क)** 1. क्ष 2. ज्ञ 3. श्र 4. त्र **(ख)** 1. ई 2. औ 3. ऊ 4. आ 5. उ 6. ओ

3. शब्द

(क) 1. शब्द 2. मात्रा के रूप में 3. दो **(ख)** 1. मछली 2. शेर 3. अनार 4. नदी 5. गुलाब 6. गिलास **(ग)** 1. गाजर 2. पतंग 3. पाठशाला 4. तितली **(घ)** 1. एक या एक से अधिक वर्णों के मेल से बने सार्थक ध्वनि समूह को शब्द कहते हैं। 2. व्यंजन में स्वर मात्रा के रूप में जुड़ते हैं। 3. जिस वर्ण-समूह का स्पष्ट रूप से कोई अर्थ निकले, उसे सार्थक शब्द कहते हैं। 4. जिस वर्ण-समूह का कोई अर्थ न निकले, उसे निरर्थक शब्द कहते हैं। **करने की बारी–** स्वयं करें।

4. संज्ञा

(क) 1. सभी को 2. रेलगाड़ी 3. आलू **(ख)** 1. शेर 2. ताजमहल 3. सेब 4. टमाटर **(ग)** 1. मेज, पुस्तक, पलंग 2. घर, बाजार, विद्‌यालय 3. गोभी, आलू, मटर 4. सेब, संतरा, अंगूर 5. रामायण, गीता, कुरान **(घ)** 1. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। 2. व 3. स्वयं करें 4. दिल्ली, मुंबई, आगरा, कानपुर, लखनऊ। **करने की बारी–** स्वयं करें।

5. लिंग

(क) 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग **(ख)** 1. मोर 2. चुहिया 3. कुम्हार 4. दूल्हा 5. गाय **(ग)** बहन, अध्यापिका, शेरनी, माता, पुत्री, घोड़ी, नौकरानी, चाची **(घ)** मोर, जेठ, पति, बैल, शेर, राजा, भील, पुरुष **(ङ)** 1. शब्दों के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का बोध होता है, उसे लिंग कहते हैं। 2. जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं; उन्हें पुल्लिंग कहते हैं; जैसे–पिता, बालक, आदमी, भाई आदि। 3. जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे–माता, बालिका, औरत, बहन आदि। **करने की बारी–**महिला स्त्रीलिंग, दर्जी पुल्लिंग, दुल्हन स्त्रीलिंग, बूढ़ा पुल्लिंग

6. वचन

(क) 1. वचन 2. दो **(ख)** पाठशालाएँ, बच्चे, चींटियाँ, आँखें, पौधे, घड़ियाँ, बकरियाँ, खिलौने **(ग)** बहुवचन, एकवचन, एकवचन, बहुवचन **(घ)** 1. शब्द के जिस रूप से उसके एक अथवा अनेक होने का ज्ञान हो, उसे वचन कहते हैं। 2. जिस शब्द से एक वस्तु या प्राणी का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे-बकरी, घोड़ा, लड़की आदि। 3. जिस शब्द से एक से अधिक वस्तुओं या प्राणियों का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे-बकरियाँ, घोड़े, लड़कियाँ आदि। **करने की बारी–**स्वयं करें।

7. कारक

(क) 1. से 2. का, के, की 3. संबोधन **(ख)** 1. में 2. पर 3. से 4. के लिए **(ग)** 1. ने 2. को 3. के लिए 4. में, पर 5. हे, अरे **(घ)** 1. कर्ता 2. अपादान 3. संप्रदान 4. अधिकरण 5. करण **(ङ)** 1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध क्रिया के साथ जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं। 2. कारक आठ प्रकार के होते हैं–(1) कर्ता कारक (2) कर्म कारक (3) करण कारक (4) संप्रदान कारक (5) अपादान कारक (6) संबंध कारक (7) अधिकरण कारक (8) संबोधन कारक। **करने की बारी–**क्रिकेट के मैच में विराट ने नब्बे रन बनाए।

8. सर्वनाम

(क) 1. संज्ञा के 2. मैं **(ख)** 1. मैं 2. कोई 3. वह 4. मुझे **(ग)** 1. आप 2. वह, मेरा 3. तुम, 4. कौन **(घ)** 1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर आते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। 2. सर्वनाम शब्द सबके लिए प्रयोग किए जाते हैं। **करने की बारी–**स्वयं करें।

9. विशेषण

(क) 1. विशेषण 2. निकिता 3. हरा **(ख)** 1. दो 2. पालतू 3. तीन लीटर 4. नीली 5. हरे **(ग)** 1. संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं। 2.

विशेषण जिस शब्द की विशेषता बताता है, उसे विशेष्य कहा जाता है। **करने की बारी**–स्वयं करें।

10. क्रिया

(क) 1. मोहित 2. धातु **(ख)** 1. खरीदी 2. खाती 3. पकाया 4. सिलता **(ग)** 1. जिस शब्द से किसी कार्य का होना या करना पाया जाए, उसे क्रिया कहते हैं। 2. लिखना, दौड़ना, खेलना **करने की बारी**–पढ़ाना, खाना पकाना, खेलना, सोना।

11. काल

(क) 1. कार्य के होने के समय को 2. तीन **(ख)** 1. भविष्यत् काल 2. भूत काल 3. वर्तमान काल **(ग)** 1. क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने या करने का समय प्रकट हो, उसे काल कहते हैं। 2. काल के सभी (तीनों) भेदों के नाम हैं–(1) वर्तमान काल (चल रहा समय) (2) भूत काल (बीता हुआ समय) (3) भविष्यत् काल (आने वाला समय) **करने की बारी**–(क) राम ने रावण को मारा। (ख) मैं एक गीत गा रहा हूँ। (ग) हम छुट्टियों में मन लगाकर पढ़ेंगे।

12. विलोम शब्द

(क) 1. अवगुण 2. रंक 3. निराशा **(ख)** 1. हानि 2. मधुर 3. अपमान 4. दूर 5. पतला **(ग)** 1. एक-दूसरे के उल्टे अर्थ वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं। 2. विलोम शब्द का एक अन्य नाम विपरीतार्थक शब्द है। **करने की बारी**–दिन, अमीर, गरम, पुराना, नरम, मीठा

13. पर्यायवाची शब्द

(क) 1. घन 2. सखा **(ख) आकाश**–गगन, नभ **संसार**–जग, विश्व **पुत्र**–बेटा, वत्स **पानी**–जल, नीर **(ग)** 1. समान अर्थ वाले शब्दों अथवा जिन शब्दों का अर्थ एक हो, उन शब्दों को 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं। 2. पर्यायवाची शब्द को अन्य नाम 'समानार्थक' से जानते हैं। **करने की बारी**–खग-नमचर, गज-कुंजर, अग्नि-पावक, सदन-गृह

14. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(क) 1. निर्धन 2. परिश्रमी **(ख)** 1. जो शब्द अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग होता है उसे अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते हैं। 2. जलचर 3. ग्रामीण **करने की बारी**–कुम्हार, बढ़ई, चित्रकार, माली

15. विराम-चिह्न

(क) 1. ? 2. ''...'' 3. विस्मयसूचक चिह्न **(ख)** 1. लिखते समय भाव के अनुसार रुकने का संकेत देने के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। ये चिह्न विराम-चिह्न कहलाते हैं। 2. अल्प विराम (,) का उदाहरण–रोको मत, जाने दो। निर्देशक चिह्न का

उदाहरण–टोकरी में फल हैं; जैसे–आम, केले, फल आदि। **करने की बारी–**1. भारत एक कृषि प्रधान देश है। 2. सैनिक का जीवन बहुत कठिन होता है। 3. तुम्हारा नाम क्या है?

16. शुद्ध वर्तनी

(क) 1. परंतु 2. ज्ञान 3. आशीर्वाद **(ख)** दुकान, चाँद, श्रीमती, देवी, प्राणी, शुरू **(ग)** 1. शब्दों का गलत उच्चारण करने के कारण वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ होती हैं। 2. मिट्टी 3. शृंगार **करने की बारी**–वापस, सखी, शांति, बारात